शक्ति के भविष्य का निर्धारण भारत के हाथों में- जुमा

देश-विदेश के प्रतिनिधियों के बीच शक्ति के भविष्य पर हुई खुली चर्चा

लखनऊ, निसं। समाज में विद्यमान शक्तियों के उपयोग और उसके दुरूपयोग के बढ़ते प्रभावों को सहेजने तथा उसके भविष्य से अवगत कराने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सभा के बीच मंथन हुआ। शहर के गणमान्य नागरिकों, बुद्धिजीवियों ने खुलकर वकालत करते हुए शक्ति को संरक्षित करने तथा विकसित करने पर जोर दिया। ब्रह्माकुमारीज संस्था के गोमतीनगर शाखा तथा नैरोबी के अग्रणी उद्योगपति 51 अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों के चेयरमैन निजार जुमा के संयुक्त तत्वाधान में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शक्ति के भविष्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के प्रोटोकाल मंत्री अभिषेक मिश्रा ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आज लखनऊ में जिस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, इस विषय पर हम सभी को गहराई से सोचने की आवश्यकता है। हमारे पास संसाधन बढ़ते जा रहे है परन्तु हमारी आंतरिक शक्तियां क्षीण होती जा रही है। आन्तरिक शक्ति ही बाहरी सम्पन्नता का आधार है। ब्रह्माकुमारीज संस्था ने जो पहल की है यह सराहनीय है। आज विदेशों से लोग आकर इस पर मंथन करने के लिए मंच प्रदान कर रहे है यह हमारे लिए गौरव की बात है।

केन्या के अग्रणी उद्योगपति तथा एडिडास टीम स्पोर्टस लिमिटेड के प्रबन्ध सम्पादक निजार जुमा ने कहा कि यह हमारा प्रयास है कि पूरे विश्व में शक्तियों का दुरूपयोग हो रहा है। भारत की शक्ति जो पश्चिमी देशों में गयी थी पश्चिमी देशों के लोगों ने इसका उपयोग विनाशकारी संसाधनों में लगाया। परन्तु अब वह शक्ति पुनः भारत में लौट रही है जिसके लिए भारत के जिम्मेदार नागरिको को तैयार रहने की जरूरत है। यदि हम शक्ति को सही सुदपयोग नहीं करेंगे तो वो हमारे लिए ही नुकसानकारक होगी। भारत पूर्व में भी विश्व गुरू रहा और भविष्य में भी बनेगा। दुनिया के सभी भारत की ओर देख रहे है। आज भारत के ही लोग पूरी दुनिया में महत्वपूर्ण पदों पर आसीन है।

लखनऊ के मेयर दिनेश शर्मा ने कहा कि हम कई वर्षों से ब्रह्माकुमारीज संस्था को देख रहे है इनका कार्यक्रम सराहनीय है। समाज के प्रत्येक लोगों के अन्दर सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास एक दिन अवश्य सफल होगा। रूस से आयी संस्थान की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका चक्रधारी ने कहा कि हमारी सोच से हमारे संस्कारों का निर्माण होता है और इसे ही श्रेष्ठ समाज का निर्माण होगा इसमें सभी के सहयोग की जरूरत है।

सेवा संस्थान की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रूना बनर्जी ने कहा कि यह वाकई एक अच्छा एहसास है कि हम अपनी और बाहरी शक्तियों के बारे में चर्चा कर रहे है। यह एक अच्छी शुरूआत है इसमें हम सभी को सहयोग करना चाहिए। सहारा हास्पिटल के निदेशक डा मनसूर हसन, फ्रांस की एमडी कन्सल्टिंग मार्क फोर्काडे, आस्ट्रेलिया की मोरनी ने कहा कि हम कहा जा रहे है, इन शक्तियों का कैसे उपयोग होना चाहिए इसकी सही पहचान इस कार्यक्रम से मिल रही है। यदि वाकई में इंसान इसपर अमल करें तो वह दिन दूर नहीं जब हम एक सच्चे इंसान के रूप में विकसित होंगे।

कार्यक्रम में लेबनान की वरिष्ठ पत्रकार रानिया डागर तथा फिल्म मेकर नुपूर सिन्हा ने कहा कि आज सभी वर्गों के लोगों को इसपर ध्यान की आवश्यकता है। पश्चिमी देश भले ही भौतिक सम्पदा में सम्पन्न है परन्तु असली सम्पन्नता भारत देश में मिलती है। क्योंकि यहॉ ही मूल्य और शक्ति का सही मिश्रण है। ब्रह्माकुमारीज संस्था लखनऊ की प्रभारी ब्र0 कु0 राधा ने सभी का धन्यवाद किया।

संस्था प्रमुख ने दिया शांति का संदेश-ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने विडियो संदेश में पूरे विश्व में शांति संदेश फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम का दीप जलाकर विधिवत उदघाटन किया गया। इस अवसर पर नन्हीं बालिकाओं ने जब सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत कर लोगों का स्वागत किया तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़हाट से गूंज उठा। इस अवसर पर कार्यक्रम ब्र0 कु0 मंजू, ब्र0 कु0 माधुरी, माउण्ट आबू से जनसम्पर्क अधिकारी बीके कोमल, रावेन्द्र, आदर्श, विभोर समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।